N 582

Seat No.

2024 III 09 1100 -N 582- HINDI (15) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H)

(REVISED COURSE)

Time : 3 Hours | (Pages 20) | Max. Marks : 80

सूचनाएँ :— (1) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1—गद्य : 20 अंक

1\. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [8]

> दर्द से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे। ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता है कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि "हे मेरे परिचितो, रिश्तेदारो, मित्रो! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नहीं।

अपने सारे बदले लेने का यही वक्त है।" बदले का बदला और हमदर्दी की हमदर्दी। मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी टाँग भी टूट गई।

मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर मैं कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ। इनकी हमदर्दी में यह बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी-बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं–खास कर वे लोग जो सिर्फ औपचारिकता निभाने आते हैं।

(1) निम्नलिखित वाक्य पूर्ण कीजिए : 2

(i) मरीज का आराम हराम तब हो जाता है जब ______

(ii) जब मिलने वालों का खयाल लेखक को आता है तब ______

(2) उत्तर लिखिए : 2

(i) हमदर्दी जताने वालों की फिक्र करने वाला–

(ii) लेखक को परेशान करने वाले–

(iii) मरीज को मिलने के संबंध में यहाँ समय का बंधन पाला जाता है–

(iv) मरीज को इसके कारण नींद नहीं आती–

CollegeDekho

(3) (i) गद्यांश में आई हुई एक समानार्थी शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए। 1

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त दो उर्दू शब्द ढूँढ़कर लिखिए : 1

(1) ____________

(2) ____________

(4) 'आराम हराम है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 8

अभी समाज में यह चल रहा है कि बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं और थोड़े बौद्धिक श्रम से। जिनके पास संपत्ति अधिक है, वे आराम में रहते हैं। अनेक लोगों में श्रम करने की आदत भी नहीं है। इस दशा में उक्त नियम का अमल होना दूर की बात है फिर भी उसके पीछे जो तथ्य है, वह हमें स्वीकार करना चाहिए भले ही हमारी दुर्बलता के कारण हम उसे ठीक तरह से न निभा सकें क्योंकि आजीविका की साधन-सामग्री किसी-न-किसी के श्रम बिना हो ही नहीं सकती। इसलिए बिना शरीर श्रम किए उस सामग्री का उपयोग करने का न्यायोचित अधिकार हमें नहीं मिलता। अगर पैसे के बल पर हम सामग्री खरीदते हैं तो उस पैसे की जड़ भी अंत में श्रम ही है।

धनिक लोग अपनी ज्यादा संपत्ति का उपयोग समाज के हित में ट्रस्टी के तौर पर करें। संपत्ति दान यज्ञ और भूदान यज्ञ का भी आखिर आशय क्या है ? अपने पास आवश्यकता से जो कुछ अधिक है, उसका हम अपना अधिकार न समझकर उसका उपयोग दूसरों के लिए करें।

यह भी सच मानते हैं कि धनिकों के दान से सार्वजनिक उपयोग के अनेक बड़े-बड़े कार्य होते हैं जैसे कि अस्पताल, विद्यालय आदि।

(1) उत्तर लिखिए : 2

(i) समाज में अपनी आजीविका बहुत से लोग इससे चलाते हैं–

(ii) समाज में अपनी आजीविका थोड़े लोग इससे चलाते हैं–

(iii) आश्रम में रहने वाले लोगों के पास यह अधिक है–

(iv) अनेक लोगों में इसकी आदत नहीं है–

(2) कृति पूर्ण कीजिए : 2

(i)

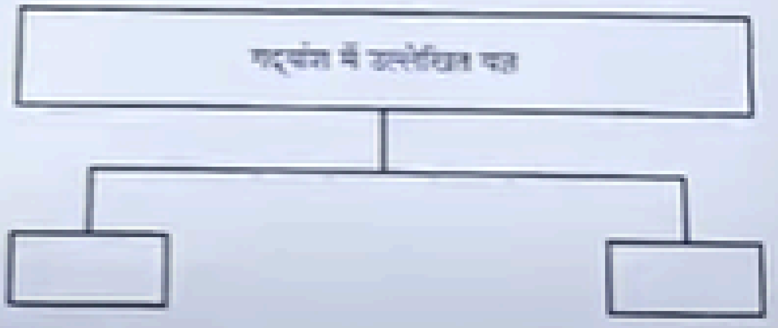

(ii)

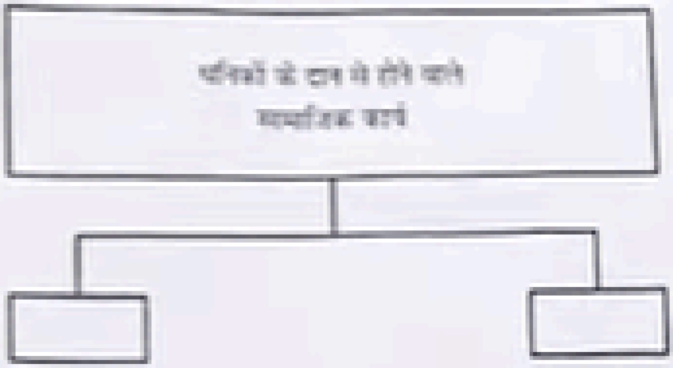

(3) (i) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : 1

उपसर्गयुक्त शब्द	शब्द	प्रत्यययुक्त शब्द
____________	← धन →	____________

(ii) गद्यांश में प्रयुक्त शब्दयुग्म ढूँढ़कर उसका अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

(4) 'करोगे दान पाओगे सम्मान' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2

CollegeDekho

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **4**

सन् 1911 में, सत्येंद्रनाथ ने उच्चतर माध्यमिक की विज्ञान की परीक्षा दी और प्रथम आए। मेघनाद साहा ने ढाका कॉलेज से परीक्षा दी थी और योग्यता क्रम में वे दूसरे स्थान पर थे। निखिल रंजन सेन ने इस परीक्षा में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सत्येंद्र, निखिल रंजन और मेघनाद साहा ने विज्ञान स्नातक की पढ़ाई के लिए गणित को चुना। वार्षिक परीक्षा में सत्येंद्र प्रथम आए, मेघनाद द्वितीय और निखिल रंजन तृतीय। सन् 1915 की विज्ञान स्नातकोत्तर की परीक्षा में भी ऐसा ही परिणाम आया।

जल्द ही सत्येंद्र विश्वविद्यालय में 'चौदह पायों वाले लड़के' के रूप में मशहूर हो गए। वह अक्सर खाली समय अपने सहपाठियों और पिछली कक्षाओं में पढ़ रहे मित्रों को पढ़ाने में व्यतीत करते थे। वह उन्हें हमेशा विज्ञान के घर पर पढ़ाते थे। गिरींद्रनाथ राय और दिलीप कुमार राय को इन कक्षाओं से बहुत लाभ हुआ। इसी दौरान सत्येंद्र 'मधुर चक्र' नामक दल से सक्रिय रूप से जुड़ गए। दल के सदस्य प्रायः चौधरी के घर पर इकट्ठे होते थे।

CollegeDekho

हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव,
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।
वही है रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य संतान।
जियें तो सदा इसी के लिए, यही अभिमान रहे यह हर्ष
निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारतवर्ष।

(1) उत्तर लिखिए : 2

वचन में	संचय में	भुजा में	प्रतिज्ञा में
↓ ______	↓ ______	↓ ______	↓ ______

(2) (i) पद्यांश से विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढकर लिखिए : 1

______________ , ______________

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए : 1

(i) भारत – ______________

(ii) भुजाएँ – ______________

(3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2